Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	INSCRIPT 28th Oct 2018 S2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2018-10-28 18:48:48
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	9089887
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	9089887
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1

Sub-Section Id: 9089887
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 9089887 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number : 2
Group Id : 9089888
Group Maximum Duration : 15
Group Minimum Duration : 15
Revisit allowed for view? : No
Revisit allowed for edit? : No
Break time: 0
Group Marks: 0

Hindi Typing Test

Section Id : 9089888
Section Number : 1
Section type : Typing Test
Mandatory or Optional: Mandatory
Number of Questions: 1
Number of Questions to be attempted: 1
Section Marks: 0
Display Number Panel: Yes
Group All Questions: No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 9089888
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 9089888 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

जीवन में भगवान सबको समान अवसर देते हैं। कुछ लोग इन अवसरों की गंभीरता समझते हुए इन अवसरों का लाभ उठाते हैं। पर कुछ लोग ऐसे भी होते है जो हमेशा भगवान के भरोसे रहते है और बस इंतजार करते रह जाते हैं। एक बार का बात है एक नदी के पास ही एक शहर था जहां पर सभी लोग सुख से जीवन बिता रहे थे। एक दिन भयंकर बरसात हुई जिसकी वजह से नदी का पानी अचानक से ऊपर आने लगा। देखते ही देखते शहर में जल सैलाब आ गया और सभी लोग अपनी जान बचाने के लिए शहर से दुर जाने लगे। एक तरफ जहां ये सब हो रहा था वहीं दुसरी तरफ एक इंसान था जिसे भगवान पर भरोसा था कि उसे कुछ नहीं होगा। इसलिए वह शहर से दुर ना जाने की बजाए पास ही के एक मंदिर में चला गया। भयंकर बारिश और नदी के सैलाब के कारण पानी खतरे के निशान से ऊपर जाता जा रहा था। भागम भाग में लोगों की नजर मंदिर में बैठे उस आदमी पर गयी। तो सबने उसको साथ चलने के लिए कहा। लेकिन उस इंसान ने साथ जाने से इंकार कर दिया और कहा कि वह भगवान की शरण में हैं उसे कुछ नहीं होगा। ऐसा सुन वे लोग वहां से चले गये। कुछ समय बाद नांव के सहारे लोग उस आदमी को बचाने आये। जब उस आदमी को साथ चलने को कहा गया तो उसने इस बार भी जाने से मना कर दिया। उसने कहा कि वह औरों की तरह नहीं हैं जो भगवान पर भरोसा ना रखें। भगवान उसे खुद बचाने आ जाऐंगे। जैसे जैसे नदी का पानी ऊफान मार रहा था और सब कुछ तहस नहस कर रहा था वैसे वैसे उस आदमा का डर भी उजागर हो रहा था। उसे लगने लगा कि वह अब सुरक्षित नहीं रह पायेगा इसलिए अपनी जान बचाने के लिए वह मंदिर के टिले पर चला गया। पर अब भी सैलाब थम नहीं रहा था उसने भगवान को खुब याद किया। पर भगवान सामने नही आये। फिर कुछ लोग वायुयान से सैलाब में फंसे उस आदमी की मदद करने आये। इस समय वह आदमी चाहता तो वायुयान में जाके अपनी जान बचा सकता था लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। बहुत समझाने के बाद भी वह आदमी वायुयान में नहीं गया। अंत में वायुयान भी चला गया। समय बीतता गया और हालात और भी अधिक खराब होने लगी। यह सब देखकर वह रोने लगा और भगवान से शिकायत करने लगा कि वे उसको बचाने नही आये। तब भगवान ने उसके मन में कहा कि वे तो तीन बार उसे बचाने अ०ाये पर उसने ही सभी अवसर खो दिए। उसे अपनी गलती का अहसास हुआ और वह मन ही मन बहुत पछताया।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes